

## Inhalt

|                                                                                                                      |     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Zum Geleit (J. Reikerstorfer).....                                                                                   | 11  |
| Einleitung .....                                                                                                     | 13  |
| Erster Teil: Das Leben J. N. Ehrlichs.....                                                                           | 27  |
| 1. Kapitel: Biographischer Überblick.....                                                                            | 27  |
| I) <i>Kindheit und Studium</i> .....                                                                                 | 27  |
| II) <i>Bekanntschaft mit dem Wiener Philosophen und Theologen Anton Günther</i> .....                                | 31  |
| III) <i>Wissenschaftliche Laufbahn</i> .....                                                                         | 37  |
| 2. Kapitel: Ehrlich in der Auseinandersetzung um die Lehre A. Günthers.....                                          | 51  |
| I) <i>Angriff</i> .....                                                                                              | 52  |
| II) <i>Verteidigung</i> .....                                                                                        | 59  |
| III) <i>Rückzug</i> .....                                                                                            | 67  |
| Zweiter Teil: Überblick über die wichtigsten selbständigen Werke Ehrlichs .....                                      | 71  |
| I) <i>Metaphysik als rationale Ontologie</i> .....                                                                   | 71  |
| II) <i>Lehre von der Bestimmung des Menschen als rationale Teleologie</i> .....                                      | 75  |
| III) <i>Das Christentum und die Religionen des Morgenlandes</i> .....                                                | 78  |
| IV) <i>Lehrbuch der empirischen Psychologie</i> .....                                                                | 79  |
| V) <i>Grundzüge der christlichen Religionswissenschaft</i> .....                                                     | 80  |
| VI) <i>Über das christliche Prinzip der Gesellschaft</i> .....                                                       | 83  |
| VII) <i>Fundamentaltheologie</i> .....                                                                               | 86  |
| Dritter Teil: Die philosophisch-theologische Spekulation J. N. Ehrlichs .....                                        | 91  |
| 1. Kapitel: Geistesgeschichtlicher Hintergrund.....                                                                  | 91  |
| I) <i>Das Erkenntnisproblem bei Chr. Wolff, I. Kant und F. H. Jacobi</i> .....                                       | 91  |
| II) <i>Die Günthersche Spekulation: „Nach-Denken“ einer „Voraus-Setzung“</i> .....                                   | 95  |
| 2. Kapitel: Idee und Wirklichkeit – Grundlinien des philosophisch-theologischen Denkens Ehrlichs.....                | 99  |
| I) <i>Grundzüge der philosophischen Anthropologie</i> .....                                                          | 104 |
| II) <i>Die Philosophie der Offenbarung bei J. S. Drey, A. Günther und J. N. Ehrlich</i> .....                        | 108 |
| Vierter Teil: Der Aufbau der Fundamentaltheologie.....                                                               | 133 |
| 1. Kapitel: Die Idee des Gott-Menschen .....                                                                         | 133 |
| I) <i>Die Idee des Menschen in seiner Beziehung zu Gott</i> .....                                                    | 134 |
| II) <i>Die Wirklichkeit des Menschen in seiner Beziehung zu Gott</i> .....                                           | 142 |
| 2. Kapitel: Die Wirklichkeit des Gott-Menschen oder die Offenbarung in Jesus Christus als historische Tatsache ..... | 144 |
| I) <i>Die Offenbarung Gottes in Jesus Christus</i> .....                                                             | 145 |
| II) <i>Die Vermittlung der Offenbarung in der Kirche</i> .....                                                       | 149 |
| Fünfter Teil: Die „anthropologische Wende“ bei Günther und Ehrlich und die Theologie der Gegenwart.....              | 155 |
| I) <i>Die Immanenzapologetik M. Blondels</i> .....                                                                   | 156 |
| II) <i>R. Bultmanns Theologie der „existentialen Interpretation“</i> .....                                           | 158 |
| III) <i>Der wahre und der wirkliche Mensch: E. Brunner</i> .....                                                     | 159 |
| IV) <i>P. Tillichs „Methode der Korrelation“</i> .....                                                               | 160 |
| V) <i>Der Entwurf einer Fundamentaltheologie bei H. Bouillard</i> .....                                              | 162 |
| VI) <i>Die transzendente Theologie K. Rahners</i> .....                                                              | 163 |
| VII) <i>Seinsverständnis als Heilsverständnis: B. Welte</i> .....                                                    | 166 |
| Anhang: Briefe A. Günthers an J. N. Ehrlich aus den Jahren 1841-1862 .....                                           | 171 |
| 1. (1841) .....                                                                                                      | 171 |

|                                     |     |
|-------------------------------------|-----|
| 2. (Fastenzeit 1842) .....          | 172 |
| 3. (Dezember 1842) .....            | 173 |
| 4. (19. Juli 1843) .....            | 174 |
| 5. (1843) .....                     | 176 |
| 6. (Advent 1843) .....              | 177 |
| 7. (Fastenzeit 1844) .....          | 179 |
| 8. (November 1844) .....            | 180 |
| 9. (Neujahr 1845) .....             | 181 |
| 10. (21. April 1845) .....          | 183 |
| 11. (Juni 1845) .....               | 184 |
| 12. (1845) .....                    | 185 |
| 13. (1845) .....                    | 186 |
| 14. (Anfang 1846) .....             | 187 |
| 15. (März 1846) .....               | 188 |
| 16. (März 1846) .....               | 190 |
| 17. (Ostern 1846) .....             | 191 |
| 18. (1846) .....                    | 192 |
| 19. (Juli 1846) .....               | 194 |
| 20. (24. Oktober 1846) .....        | 195 |
| 21. (1846) .....                    | 197 |
| 22. (Jahreswechsel 1846/1847) ..... | 198 |
| 23. (1847) .....                    | 200 |
| 24. (Fastenzeit 1847) .....         | 200 |
| 25. (1847) .....                    | 201 |
| 26. (November 1847) .....           | 201 |
| 27. (Weihnacht 1848) .....          | 203 |
| 28. (Jänner 1849) .....             | 205 |
| 29. (17. Mai 1849) .....            | 206 |
| 30. (November 1849) .....           | 208 |
| 31. (Sommer 1850) .....             | 210 |
| 32. (15. Oktober 1850) .....        | 211 |
| 33. (Lichtmeß 1851) .....           | 213 |
| 34. (20. April 1851) .....          | 215 |
| 35. (Wien, 30. Apr. 1851) .....     | 217 |
| 36. (24. Oktober 1851) .....        | 219 |
| 37. (6. März 1852) .....            | 221 |
| 38. (19. März 1852) .....           | 223 |
| 39. (13. Juli 1852) .....           | 224 |
| 40. (September 1852) .....          | 225 |
| 41. (Oktober 1852) .....            | 225 |
| 42. (Dezember 1852) .....           | 227 |
| 43. (Februar 1853) .....            | 229 |
| 44. (November 1853) .....           | 231 |
| 45. (März 1854) .....               | 233 |
| 46. (1. Juli 1854) .....            | 235 |
| 47. (November 1854) .....           | 238 |
| 48. (24. November 1854) .....       | 241 |
| 49. (1. Adv. Sonntag 1854) .....    | 243 |

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| 50. (19. Jänner 1855) .....          | 244 |
| 51. (Am 1. Fastensonntag 1855) ..... | 247 |
| 52. (Am Karsamstag 1855) .....       | 249 |
| 53. (Nach Ostern 1855) .....         | 251 |
| 54. (15. Mai 1855) .....             | 252 |
| 55. (4. Juli 1855) .....             | 254 |
| 56. (November 1855) .....            | 256 |
| 57. (Ende 1855) .....                | 258 |
| 58. (24. Jänner 1856) .....          | 260 |
| 59. (Ostermontag 1856) .....         | 263 |
| 60. (13. Jänner 1857) .....          | 265 |
| 61. (Mai 1857) .....                 | 267 |
| 62. (Juni 1857) .....                | 269 |
| 63. (24. April 1860) .....           | 271 |
| 64. (Mai 1860) .....                 | 273 |
| 65. (Juni 1860) .....                | 274 |
| 66. (3. November 1860) .....         | 276 |
| 67. (28. September 1861) .....       | 277 |
| 68. (Neujahr 1862) .....             | 278 |
| 69. (Mai 1862) .....                 | 280 |
| Quellenverzeichnis .....             | 283 |
| Ungedruckte Quellen .....            | 283 |
| Gedruckte Quellen .....              | 283 |
| Literaturverzeichnis (Auswahl) ..... | 287 |
| Abkürzungen .....                    | 295 |
| Personenregister .....               | 297 |